पत्रावली प्रस्तुत हुई, पक्षकारान उपस्थित नहीं। बार-बार आवाज दिलाने के बाद भी वादी एवं उनके अभिभाषक उप. नहीं। अतः दावा वादी अदम हाजरी अदम पैरवी में खारिज किया जाता है। पत्रावली बैसल हुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।

(रविकान्त [illegible] मीणा)

उपखण्ड मजिस्ट्रेट
[illegible] (भरतपुर) राज०

Signature Not Verified

Digitally signed by Vijendra Kumar Meena
Date: 2021.04.12 13:01:15 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with CamScanner